

Padma Shri



SHRI CHANDRAPRAKASH DWIVEDI

Shri Chandraprakash Dwivedi is a film maker recognized for his work in television and films; based on ancient and modern literature and History.

2. Born on 7th June, 1960 in Rajasthan in family of a Sanskrit Scholar, Shri Dwivedi graduated in Bachelor of Medicine and Bachelor of Surgery from University of Bombay in 1985. Since early age, he was drawn towards ancient and classical Sanskrit Literature and 'Itihaas' which became the foundation of his work in Television and Films.

3. Shri Dwivedi started his creative journey with writing, directing and acting in a short one act, play and wrote "Vetal Uvach" — a theme inspired from ancient literature, "Eklavya"- a theme inspired from Mahabharat, "Khagras" — a theme inspired from Purana. From theatre he went on to writing and directing for television and cinema. He wrote, directed and acted in epic television series "Chanakya" which was acclaimed for its theme of cultural Nationalism. He followed Chanakya as Writer and Director "Mrityunjay" based on life of epic hero Karn, "Upanishad Ganga" based on concepts of Upanishads, "Surajya Sanhita" based on Governance and Civil Services in ancient India. He also recreated dialogues for the television series "Chhatrapati Shivaji".

4. Shri Dwivedi made his first film "Pinjar" based on the novel of Amrita Pritam, followed by "Mohalla Assi" based on "Kashi Ka Assi" by Kashinath Singh and "Zed Plus" based on Ramkumar Singh's novel by the same name and "Prithviraj" based on Chand Bardai's epic "Prithviraj Raso". He is also the Creative Producer for to be released films "Ram — setu" and "OMG -2". He was Creative Director for documentaries namely "Lost River Saraswati" and "First sermon of Buddha" and consultant for documentaries "Mughal - Bahadur Shah, "Shammi Kapoor-Prince of Romance" and documentaries based on Music Directors Ravi and Khayyam.

5. Shri Dwivedi was member of Central Advisory Board on Culture, National Committee of Commemoration of 150th Birth Anniversary of Mahatma Gandhi, National Committee of Commemoration of the centenary of Shri Deendayal Upadhyay, Indira Gandhi National Centre for Art Trust, Veer Bharat Trust, Bharat Bhavan, Bhopal, Madhya Pradesh, Programming Advisory Committee of Lok Sabha TV and Central Board of Film Certification.

6. Shri Dwivedi has received many awards for his works in Television and Films, prominent amongst them are the National film award for "Pinjar", Uptron award for "Chanakya", Screen Videocon award for "Mrityunjay" and Indian Telly Award for "Upanishad Ganga". He has also received "B.M. Shah" award from Sangeet Natak Akademi of Uttar Pradesh for year 2020, Deen Dayal Upadhyay Hindi Sevi Samman from Kendriya Hindi Sansthan for year 2018.

पद्म श्री



श्री चन्द्रप्रकाश द्विवेदी

श्री चन्द्रप्रकाश द्विवेदी जी एक फिल्म निर्माता हैं जिन्हें टेलीविजन और फिल्मों में उनके प्राचीन और आधुनिक साहित्य और इतिहास पर आधारित काम के लिए पहचाना जाता है।

2. 7 जून, 1960 को राजस्थान में एक संस्कृत विद्वान के परिवार में जन्मे श्री द्विवेदी जी ने 1985 में बॉम्बे विश्वविद्यालय से बैचलर ऑफ मेडिसिन और बैचलर ऑफ सर्जरी में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। छोटी उम्र से ही, वे प्राचीन और शास्त्रीय संस्कृत साहित्य और " इतिहास " की ओर आकर्षित थे जो बाद में टेलीविजन और फिल्मों में उनके काम का आधार बना।
3. श्री द्विवेदी ने अपनी रचनात्मक यात्रा की शुरुआत नाट्य-लेखन, निर्देशन और अभिनय के साथ की और प्राचीन साहित्य से प्रेरित "विट्ठल उवाचः" लिखा, महाभारत से प्रेरित "एकलव्य" लिखा, पुराण से प्रेरित "खग्रास" लिखा। थिएटर के बाद उन्होंने टेलीविजन और सिनेमा के लिए लेखन और निर्देशन किया। उन्होंने महाकाव्य टेलीविजन श्रृंखला "चाणक्य" लिखी, निर्देशन किया और उसमें अभिनय भी किया किया, जिसे सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के लिए खूब प्रशंसा मिली। महाकाव्य नायक कर्ण के जीवन पर आधारित "मृत्युंजय", उपनिषदों की अवधारणाओं के आधार पर "उपनिषद गंगा", प्राचीन भारत में शासन और सिविल सेवाओं पर आधारित "सुराज्य संहिता" में लेखक और निर्देशक के रूप में चाणक्य का अनुसरण किया। उन्होंने टेलीविजन श्रृंखला "छत्रपति शिवाजी" के लिए संवाद भी लिखे।
4. श्री द्विवेदी ने अमृता प्रीतम के उपन्यास पर आधारित अपनी पहली फिल्म " पिंजर " बनाई और उसके बाद काशीनाथ सिंह द्वारा लिखित "काशी का अस्सी" पर आधारित "मोहल्ला अस्सी" बनाई और रामकुमार सिंह के उपन्यास "जेड प्लस" पर आधारित इसी नाम से फिल्म बनाई और चंद बरदाई के महाकाव्य पृथ्वीराज रासो पर आधारित "पृथ्वीराज" बनाई। वे "राम — सेतु" और "ओएमजी —2" रिलीज होने वाली फिल्मों के क्रिएटिव डायरेक्टर भी हैं। वे "लॉस्ट रिवर सरस्वती" और "बुद्ध का पहला उपदेश" वृत्तचित्रों के क्रिएटिव डायरेक्टर और "मुगल — बहादुर शाह", " शम्मी कपूर —प्रिंस ऑफ रोमांस" और संगीत निर्देशक रवि और खय्याम पर आधारित वृत्तचित्रों के सलाहकार भी रहे।
5. श्री द्विवेदी केंद्रीय संस्कृति सलाहकार बोर्ड, महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती के स्मरणोत्सव की राष्ट्रीय समिति, श्री दीनदयाल उपाध्याय, की शताब्दी के स्मरणोत्सव संबंधी राष्ट्रीय समिति, इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर फॉर आर्ट ट्रस्ट, वीर भारत ट्रस्ट, भारत भवन, भोपाल, मध्य प्रदेश, लोकसभा टीवी के कार्यक्रमों संबंधी सलाहकार समिति और केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के सदस्य रहे हैं।
6. श्री द्विवेदी को टेलीविजन और फिल्मों में उनके कार्यों के लिए कई पुरस्कार मिले हैं, उनमें से प्रमुख हैं "पिंजर" के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, "चाणक्य" के लिए अपट्रॉन पुरस्कार, "मृत्युंजय" के लिए स्क्रीन वीडियोकॉन पुरस्कार और "उपनिषद गंगा" के लिए इंडियन टेली पुरस्कार। उन्हें वर्ष 2020 के लिए उत्तर प्रदेश की संगीत अकादमी से "बीएम शाह" पुरस्कार और वर्ष 2018 के लिए केंद्रीय हिंदी संस्थान से दीनदयाल उपाध्याय हिंदी सेवी सम्मान मिला है।